CBKG–003

भारतीय कालगणना में प्रमाण-पत्र

(सी.बी.के.जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

सी.बी.के.जी.–003 : भारतीय एवं विश्व के विभिन्न कैलेण्डर

समय : 3 घण्टे   अधिकतम अंक : 70

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए : 3×10=30

    (i) भारतीय पंचांग का उद्भव बताते हुए उसके **पाँच** अंगों का वर्णन कीजिए।

(ii) भारतीय गणना में कालमान के प्रकारों को विस्तार से बताइए।

(iii) कालगणना पर आधारित पर्वों का वर्णन कीजिए।

(iv) वर्तमान ग्रेगरियन कैलेण्डर के विकास को लिखिए।

(v) 'कैलेण्डर' शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए विश्व के कैलेण्डरों के विकास पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

2. वर्तमान में भारत का राष्ट्रीय कैलेण्डर कौन-सा है ? इस कैलेण्डर का निर्माण कैसे हुआ ? 5

3. कैलेण्डर तथा पंचांग में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 5

4. भारतीय नव वर्ष की वैज्ञानिकता लिखिए। 5

5. जूलियन तथा ग्रेगरियन कैलेण्डर में मुख्य सुधार कौन-कौन से किए गए ? 5

6. चान्द्र तथा सौर वर्षों के समन्वय की आवश्यकता क्यों है ? 5

7. वर्ष 1751 तक इंग्लैण्ड में कौन–कौन से कैलेण्डर का प्रयोग होता था और उसमें क्या समस्या हो रही थी ? 5

8. शक संवत् की गणना के आधारों का वर्णन कीजिए। 5

9. माया कैलेण्डर में बक्तून की गणना को स्पष्ट कीजिए। 5

× × × × × × ×